>

Title: Regarding alleged irregularities in granting scholarships to the students pursuing technical courses in the country.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान तकनीकी तथा प्राविधिक शिक्षा के छात्रों को शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में दी जाने वाली छात्रवृत्ति में हो रही व्यापक घोटाले की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं।

महोदय, सरकार द्वारा पिछड़े, अनुसूचित वर्ग एवं सामान्य वर्ग के निर्धन छात्रों को उनकी शिक्षा में मदद करने के लिए छात्रवृत्ति दी जाती है जिसे शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में सीधे शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों के खाते में जमा कर दिया जाता है। इस छात्रवृत्ति के भुगतान में समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों एवं शिक्षण संस्थानों के संचालकों की मिलीभगत से करोड़ों रुपये का घोटाला हो रहा है। अनेक संस्थानों में फर्जी छात्रों के नाम चढ़ाए गए हैं। इन छात्रों का संस्थान द्वारा स्थानीय स्तर पर दी जाने वाली परीक्षा में उपस्थित दिखाया गया है, परन्तु विश्वविद्यालय द्वारा ली जाने वाली परीक्षा में अनुपस्थित दिखा दिया जाता है। इस प्रकार से सर्वतः फर्जी नामों के आधार पर करोड़ों रुपयों की लूट हो रही है। इस लूट के अन्य दो आयाम भी हैं। बहुत वास्तविक छात्रों को निरंतर यह कह कर टाला जाता है कि उनकी छात्रवृत्ति का पैसा अभी तक नहीं आया है और इस प्रकार से छात्रों को छात्रवृत्ति से वंचित कर दिया जाता है। इसके अलावा इस घोटाले में सामान्यतः सभी वास्तविक छात्रों से शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि जमा किए जाने के बदले 5000 रुपये, 10000 रुपये या अधिक रुपये भी ले लिए जाते हैं। इस लूट के कारण अनेक निर्धन छात्रों के भविष्य तथा उनके परिवार बर्बाद हो रहे हैं। मुझे इस संबंध में अनेक संस्थानों के प्रति शिकायतें मिली हैं। इस प्रकार की अनियमितताओं के समाचार प्रदेश एवं देश के विभिन्न स्थानों से प्रायः आते रहते हैं।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि निर्धन वर्ग के छात्रों को शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में दी जाने वाली छात्रवृत्ति में हो रहे घोटाले की उच्चस्तरीय तथा व्यापक जांच कराई जाए तथा इसमें लिप्त अधिकारियों एवं संस्थानों के विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्रवाई की जाए ताकि निर्बल व निर्धन वर्ग के छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना संभव न हो सके।